प्रकाशनार्थ

नारी सशक्तिकरण एवं प्रगति पर चर्चा

आगरा। आनन्द इंजीनियरिंग कालेज टैक्नीकल कैम्पस आगरा में **"महिलाओं की प्रगति एवं सशक्तिकरण"** विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया।
परिचर्चा में कालेज के डा0 आर0पी0 सिन्हा, डा0 निमिषा पाठक, डा0 दिप्ती गुप्ता, डा0 शिल्पा सक्सेना, डा0 सोनल पुडीर, डा0 कोमल दास व श्रीमती स्मृति कौशिक शामिल हुयीं एवं परिचर्चा का संचालन श्री राहुल अग्रवाल ने किया।

परिचर्चा का शुभारंभ माँ सरस्वती की आराधना के साथ हुआ। परिचर्चा में शामिल हुये सदस्यों के मतानुसार *"महिलाओं के साथ असमानता और भेदभाव का व्यवहार समाज में, घर में और घर के बाहर विभिन्न स्थलों पर किया जाता है उन्होने उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ परिवारों में लड़की को शिक्षित करना बुरा निवेश माना जाता है, किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए यह आवश्यक है की महिलायें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक रूप से विकसित हों और यह तभी संभव है जब उन्हे शिक्षित किया जाए। सदस्यों बताया कि संविधान ने महिलाओं को शक्तियां एवं अधिकार हैं परन्तु हर प्रकार के भेदभाव शोषण अन्याय अत्याचार भेदभाव एवं दमन का मुकाबला उन्हें स्वयं ही करना होगा तभी स्त्रियों की स्वतंत्र पहचान बन पाएगी और व्यापक रूप में उनका अस्तित्व कायम हो पाएगा''*।

कार्यक्रम के संचालक श्री राहुल अग्रवाल ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं उनकी प्रगति के लिए आवश्यक है कि उनको बुनियादी सुविधाओं के साथ आधुनिक सुविधाएं मिलें जिससे वह पुरुषों के समाज में अधिक सक्षम होकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कार्यक्षमता का लोहा मनवा सकें।

कॉलेज के निदेशक प्रोफेसर अनिल किशोर ने कहा की नारी का अस्तित्व ही सशक्त समाज का आधार है, महिलायें बहुर्मुखी प्रतिभा की धनी होती हैं केवल आवश्यकता है की उन्हें निर्भय और मुक्त भाव से काम करने का अवसर प्रदान हो।
उन्होंने कहा है की आज लड़कियां आत्मनिर्भर हो रही हैं और कंधे से कंधा मिलाकर विभिन्न क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही हैं। महिलाओं को सामान अधिकार और मान देने से ही देश की शान बढ़ेगी।